# रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 12 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रु.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार , 17 जून 2025 से 23 जून 2025 तक


# जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा पहुंचे पीएम मोदी

**प्रधानमंत्री मोदी कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बुलावे पर जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। 16-17 जून के इस सम्मेलन में फ्रांस, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, जापान और इटली के प्रमुख हिस्सा लेते हैं। यह लगातार छठी बार है जब पीएम मोदी जी-7 समिट का हिस्सा बनने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर कनाडा लैंडिंग की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि- जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैलगरी, कनाडा पहुंचा। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा।**

पीएम मोदी इस दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। करीब आधे घंटे तक दोनों नेताओं के बीच बातचीत हो सकती है। इस दौरान दोनों देश पुराने मतभेदों को

भुलाकार नई शुरुआत कर सकते हैं। बता दें कि भारत और कनाडा के तनाव के बीच तनाव के बाद यह पीएम मोदी पहली बार कनाडा गए है। 2023 में कनाडा के गुरुद्वारे के बाहर खालिस्तनी आतंकवादी हरदीप सिंह पुरी की हत्या हो गई थी, जिसमें भारतीय एजेंट के शामिल होने का दावा किया गया था। इसके बाद से ही नई दिल्ली और ओटावा के रिश्तें में खटास देखने को मिली। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कनाडा में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऊर्जा सुरक्षा, नवाचार व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बात रखेंगे। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज बनेंगे। सम्मेलन से इतर पीएम मोदी की कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी व अन्य के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। नाइक ने खास बातचीत में कहा, कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। भारत लगातार छठी बार आमंत्रित देश के रूप में जी-7 शिखर सम्मेलन में शिरकत कर रहा है। यह दुनिया में भारत की बढ़ती साख का प्रतीक है। जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर पीएम मोदी की कई द्विपक्षीय वार्ताएं भी होंगी। प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16-17 जून तक कनानास्किस में रहेंगे। उन्होंने कहा, यह शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों और वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए मंच प्रदान करेगा। नाइक ने उम्मीद जताई कि मोदी के इस दौरे से भारत व कनाडा के संबंध और बेहतर होंगे।

## जी-7 सम्मेलन की सुरक्षा में सेंध, नो फ्लाई जोन में घुसा विमान

कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा में सोमवार को एक निजी विमान के पायलट ने सेंध लगा दी। पायलट अपना जहाज लेकर जी-7 के लिए निर्धारित उड़ान वर्जित क्षेत्र में घुस गया। तत्काल उसे लड़ाकू विमानों से घेरकर नीचे उतारा गया। कनाडा की पुलिस अब पायलट से पूछताछ कर रही है। घटना में किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। जी-7 की बैठक को देखते हुए अल्बर्टा के कनानास्किस में मंगलवार देर रात के लिए उड़ान वर्जित क्षेत्र घोषित है।

---

इजरायल-ईरान युद्ध

## ईरान से भारतीयों को निकालने का ऑपरेशन शुरू, आर्मीनिया बॉर्डर से 100 लोगों का पहला जत्था निकलेगा, MEA ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

इजराइल और ईरान के बीच आज (मंगलवार) 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। इजराइल ने तेहरान पर सोमवार रात कई बार एयरस्ट्राइक की। वहीं, ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव और हाइफा पर बमबारी की। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं। इधर ताबड़तोड़ इजरायली हमले और डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद ईरान की राजधानी तेहरान से लोगों का पलायन शुरू हो गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। इजराइल के जारी हमलों के बाद से ही तेहरान छोड़ कर लोग दूसरे शहरों में जा रहे हैं, जिसकी वजह से रविवार को सड़कों पर जाम जैसी स्थिति बन गई थी। इसके अलावा MEA ने ईरान की राजधानी तेहरान में भारतीय दूतावास ने भी 24×7 आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है। ये हेल्पलाइन विशेष रूप से उन भारतीय नागरिकों के लिए है जो वर्तमान में ईरान में हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है। दूतावास ने कॉल और व्हाट्सएप के लिए अलग-अलग नंबर जारी किए हैं।

---

# भारत ने परमाणु बमों की संख्या बढ़ाई !

पाकिस्तान को पछाड़ा

जैसे-जैसे इजरायल-ईरान युद्ध गंभीर होता जा रहा है और वैश्विक सुरक्षा तनाव बढ़ रहा है, परमाणु संघर्ष का खतरा एक बार फिर सामने आ गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की साल 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने न केवल परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में पाकिस्तान पर अपनी बढ़त बढ़ाई है, बल्कि मिसाइल सिस्टम और डिलीवरी क्षमता में भी बड़ी तकनीकी प्रगति कर रहा है। स्वीडन स्थित एक स्वतंत्र संस्थान SIPRI 1966 से दुनिया में हथियारों पर अपनी नजर रखे हुए है। इसकी वार्षिक रिपोर्ट को दुनिया के परमाणु संतुलन के सबसे भरोसेमंद आकलनों में से एक माना जाता है। SIPRI की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पास साल 2025 में परमाणु हथियारों की संख्या 180 हो गई है। जबकि साल 2024 में ये संख्या 172 थी। पाकिस्तान के पास बीते साल 170 परमाणु हथियार थे और इस साल भी उसके पास इतने ही परमाणु हथियार मौजूद हैं। हालांकि, चीन के पास 2024 में 500 परमाणु हथियार थे जो अब बढ़कर 2025 में 600 हो गए हैं।

रूस और अमेरिका के पास 90 प्रतिशत परमाणु हथियार

SIPRI की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और अमेरिका के पास दुनिया के कुल परमाणु हथियारों का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक, रूस के पास 4309 और अमेरिका के पास 3700 परमाणु हथियार हैं।

---

## UPI लेन-देन में हुआ बड़ा बदलाव, अब और भी तेज हुआ पेमेंट सिस्टम

**अगर आप फोनपे, गूगल पे या पेटीएम जैसे किसी भी UPI ऐप का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए एक जरूरी खबर है. आज से देशभर में यूपीआई पेमेंट पहले से भी ज्यादा तेज हो गया है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने UPI सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं अब किसी को पैसे भेजना या प्राप्त करना और भी आसान और तेज हो गया है. पहले जहां यूपीआई से लेन-देन में करीब 25 से 30 सेकंड का समय लगता था, अब ये काम सिर्फ 15 सेकंड में हो जाएगा। अब आपको पैसे भेजने या लेने में ज्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा. मात्र 15 सेकंड में पूरा प्रोसेस हो जाएगा फेल ट्रांजैक्शन की जल्दी जानकारी: अगर किसी कारण से पेमेंट फेल हो गया, तो अब 10 सेकंड के भीतर ही पता चल जाएगा कि ट्रांजैक्शन सफल हुआ या नहीं।**

# ग्राम चोहटा में एक हफ्ते से चल रहे मतभेद का समाधान

## ग्राम सरपंच की रही अहम भूमिका, पेसा एक्ट की शांति समिति की पहल से सुलझा विवाद

### दोनों समुदायों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर भाईचारे की मिसाल पेश की

संदीप वाईकर

बैतूल। जनपद पंचायत भीमपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चोहटापोपटी के ग्राम चोहटा में बीते एक सप्ताह से आदिवासी और हरिजन समुदाय के बीच पारंपरिक देव चंदा को लेकर मतभेद चल रहा था। इस विवाद को ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक चौपाल में सुलझाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। अंततः 13 जून को दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों, ग्रामवासियों एवं गणमान्य नागरिकों को एकत्र कर पंचायत परिसर में बैठक आयोजित की गई। इस विवाद को सुलझाने में ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच रामकिशोर धुर्वे की अहम भूमिका रही। पेसा एक्ट के तहत गठित शांति समिति की पहल से विवाद सुलझा लिया गया। शांति समिति के अध्यक्ष लालमन डिकारे के नेतृत्व में एवं सामाजिक कार्यकर्ता जेडी पाटील, बीएल मासोदकर की उपस्थिति में दोनों पक्षों को समझाइश दी गई। प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर बैतूल, तहसीलदार भैसदेही, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भीमपुर एवं भीमपुर चौकी प्रभारी के मार्गदर्शन में यह समझौता शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। समझौते के अंत में दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइ खिलाकर, गले लगाकर आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की और भविष्य में इस तरह का विवाद न होने का आश्वासन दिया। मौके पर मौजूद सरपंच एवं पंचायत सचिव ने स्पष्ट किया कि यह विवाद पूरी तरह सामान्य था और किसी प्रकार की सार्वजनिक सेवा रोकने जैसी कोई घोषणा नहीं की गई थी। इस समन्वयात्मक समाधान से गांव में फिर से शांति का वातावरण स्थापित हो गया है और दोनों समुदायों ने मिलकर परंपरा और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

# एक आरोपी से गांजा जब्त, मामला दर्ज

रणजीत टाइम्स

गोटेगांव तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गोटेगांव पुलिस ने करीब साढ़े चार सौ ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम उमरिया, चौकी झौतेश्वर निवासी गोपाल पिता पूरन सिंह पटेल उम्र 41 साल, के

कब्जे से 469 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जिनकी कीमत करीबन 5000 रूपए की जब्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 454/2025 धारा 8/ 20 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया है,उक्त कार्रवाई में झौतेशवर चौकी प्रभारी दिलीप सिंह,सउप निरीक्षक सुरेश धुर्वे, आरक्षक गौरीशंकर,प्रशांत राजपूत महिला आरक्षक वंदना मिश्रा एवं चालक अमित नामदेव की मुख्य भूमिका रही।

# बदहाली का शिकार शांतिधाम, समुचित व्यवस्था का अभाव

गोटेगांव तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर शासन की योजना के अनुसार पूर्व समय में पंचायतों के गांवों में शांतिधाम का निर्माण किया गया है। मगर इसके निर्माण के बाद अन्य कार्य अधिकांश शांतिधामों पर नहीं किए जा सके हैं। शांतिधाम देखरेख और अन्य कार्य नहीं करने के कारण बदहाल स्थिति में पहुंच गए है। जहां शांतिधाम के मैदान में झाड़ियां ऊग आई हैं। शांतिधाम स्थल तक जाने के लिए सीसी रोड का निर्माण नहीं किया गया और ना ही वहां पर पानी की कोई व्यवस्था की गई है। शांतिधाम स्थल आने वाले लोगों के लिए यहां समुचित व्यवस्थाएं नहीं है। कई ग्राम पंचायत पौनिया के गांव में सिर्फ शांतिधाम के नाम पर टीन शेड का निर्माण करके अंतिम संस्कार करने के लिए चार लोहे के एंगिल खडे कर दिए गए हैं। अन्य कार्य नहीं कराने के कारण पूरी तरह से शांतिधाम बदहाली की स्थिति में पहुंच गए हैं। ग्राम पंचायत बदहाल हो रहे शांतिधाम को ठीक कराने की दिशा में समुचित कदम उठाए। जिससे ग्रामीणों को उचित सुविधा का लाभ मिल सके।

# भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष संदीप पाटिल ने सीएमएचओ डॉ.मनोज हुरमाडे से की सौजन्य भेंट पदाधिकारियों ने किया स्वागत

संदीप वाईकर

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर डॉ. मनोज हुरमाडे ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया बैतूल (भारतीय बौद्ध महासभा ) के अध्यक्ष संदीप पाटिल के नेतृत्व में मार्गदर्शक राजेश भूमरकर, प्रदीप नागले, सतीश पाल सहित सामाजिक संगठन की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। पदाधिकारियों की ओर से उन्हें गुलदस्ता देकर अभिनंदन किया गया और स्वास्थ्य विभाग में उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया गया। भारतीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष संदीप पाटिल ने डॉ. हुरमाडे को शुभकामनाएं देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बेहतर कार्य की अपेक्षा जताई। भारतीय बौद्ध

महासभा के उपाध्यक्ष रामा अतुलकर, धर्मदास दवंडे, कमलेश उबनारे, शिवकिशोर पाटिल, विनोद दवंडे, दिनेश पाटिल, दिनेश मानकर, अजय भूमरकर, ब्रजेश पाटिल सहित अन्य सदस्यों ने बधाई प्रेषित की है।

# गोटेगांव एसडीओपी का विदाई समारोह आयोजित

गोटेगांव तहसील के अंतर्गत गोटेगांव थाना में पदस्थ रही अनु.विभागीय अधिकारी (पुलिस) भावना मरावी का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर पद पर पदोन्नति होने पर नगर के समीपवर्ती स्थित वृंदावन वाटिका रेस्टोरेंट में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं पत्रकार समारोह में सम्मिलित हुए और सभी ने तत्कालीन एसडीओपी भावना मरावी को पदोन्नति होने पर पुष्पगुच्छ भेटकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की आपको बता दें श्रीमती मरावी ने गोटेगांव तहसील क्षेत्र में अपने कार्यकाल के 2 वर्ष सफलतापूर्वक निर्वहन किया इस मौके पर एसडीएम देवंती परतें,प्रदीप सराफ थाना प्रभारी गोटेगांव ,संजय सूर्यवंशी थाना मुगवानी, बलवीर चौधरी ठेमी थाना प्रभारी, दिलीप सिंह झोतेश्वर चौकी प्रभारी एवं समस्त पुलिसकर्मियों के साथ-साथ क्षेत्रिय पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार



इंदौर प्रति मंगलवार , 17 जून 2025 से 23 जून 2025 तक

# मोदी सरकार के सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प सिद्धि अभियान के अतर्गत नगर मंडल भाजपा की कार्यशाला बैठक सपन्न हुई

**संजय प्रेम जोशी**

हाटपिपल्या। नगर के गुरु कृपा गार्डन में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा नगर मंडल की कार्यशाला बैठक संपन्न हुई बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ बैठक में कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया बैठक में मुख्य अतिथि युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राम सोनी विशेष अतिथि विधानसभा प्रभारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सैधव बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष विजेंद्र पटेल महेश पाटीदार अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठौर बापूलाल धौसरिया महेंद्र यादव दुलीचंद कुंभकार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। अतिथियों द्वारा बैठक को संबोधित किया गया। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री रमेश संदूकलिया ने किया स्वागत भाषण बापूलाल धौसरिया ने दिया एवं आभार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव ने किया।

बैठक को मुख्य अतिथि राम सोनी ने संबोधित करते हुए मोदी सरकार के सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर मोदी सरकार की उपलब्धियां को बताया उन्होंने प्रधानमंत्री आवास आयुष्मान कार्ड मुद्रा लोन अयोध्या में श्री राम मंदिर समेत अनेक योजनाओं के बारे में कार्यशाला बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया बैठक को विधानसभा प्रभारी जितेन सिंह सैंधव ने भी सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के उपलब्धियों के बारे में बताया उन्होंने प्रधानमंत्री सड़क योजना प्रधानमंत्री अन्न योजना प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अनेक योजनाओं के बारे में बताया।

बैठक में मनीष सोलंकी आशीष व्यास धीरज सिंह सैधव विनोद जोशी शुभम तंवर अर्जुन सैधव गजराज सिंह सैधव रामसिंह सैधव नितिन तंवर हरीश बंजारा लखन मेकालिया गजराज सिंह बामनी धर्मेंद्र सिंह दरबार राजेंद्र सिंह चावड़ा सुरेन्द्र सिंह सैधव राजकिशोर जायसवाल मंदन बुंदेला संदीप मालवीय नीलेश जायसवाल गणेश पाटीदार धर्मेंद्र सिंह बामनी धीरज सिंह बामनी अभिमन्यु सैधव प्रदीप सैधव राधेश्याम टांटिया सुभाष मालवीय यशवंत चौहान लखन तलाया गोपाल बाली देवेन्द्र पटेल बसंत गहलोत संदीप बिंजवा मांगीलाल कप्तान सेठी जी गौरव मेश्रा राजू पठान कृष्णपाल सैधव समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता बैठक में मौजूद थे।

## युवा पीढ़ी पर नशे की मार: भविष्य खतरे में!

**राजेश धाकड़**

इंदौर। देश की युवा पीढ़ी नशे की चपेट में तेजी से आती जा रही है। नशे की लत ने न सिर्फ युवाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाया है, बल्कि उनका भविष्य भी अंधकारमय होता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक दबाव, मानसिक तनाव, फैशन की दौड़ और गलत संगत युवाओं को नशे की ओर धकेल रही है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब यह नशीले पदार्थ बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

### नशे के दुष्प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं

यह रिश्तों में दरार डालता है, पढ़ाई और करियर पर नकारात्मक असर डालता है और कई बार अपराध की राह तक ले जाता है। समाधान के तौर पर, समाज को जागरूकता फैलाने की जरूरत है। स्कूलों, कॉलेजों और परिवारों में खुलकर संवाद होना चाहिए। साथ ही प्रशासन को चाहिए कि नशीले पदार्थों की तस्करी पर कठोर कार्रवाई करे और पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में सुधार हो।

### निष्कर्षत

यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो कल की पीढ़ी हाथ से निकल सकती है। युवा देश की रीढ़ होते हैं — उन्हें नशे से नहीं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच से जोड़ना होगा।

# सभी प्रकार की भक्ति में श्रेष्ठ हैं गुरुमुख से निकली अमृतवाणी का अनुसरण

मूल ध्यान गुरू रूप है, मूल पूजा गुरू पॉंव |
मूल नाम गुरू वचन है, मूल सत्य सतभाव॥
**'संत कबीर'**

'सहजयोग' बात करता है ध्यान की, 'निर्विचार समाधी'' की। आज के विज्ञान युग कहे जानेवाले इस कलियुग में 'योग', 'ध्यान' , 'आत्मसाक्षात्कार', 'निर्विचार समाधी' या 'कुंडलिनी जागरण' ये सारी बातें आपको कपोल-कल्पित लग सकती हैं। कुंडलिनी जागरण के बारे में अनेक किंवदंतियां समाज में फैली हुई हैं। परंतु भगवद्गीता कहती है, 'श्रध्दावान लभते ज्ञानम्' अर्थात् जिस किसीके हृदय में अपनी आत्मा के प्रति श्रध्दा होगी उसे ही आत्मज्ञान प्राप्त होगा। संत कबीर कहते हैं,ध्यान का मूल गुरू का ध्यान है, पूजा का मूल गुरू चरणों की पूजा है, गुरू के अमृतवचन सभी प्रकार के नामजपों से श्रेष्ठ हैं और यदि साधक को आत्मसाक्षात्कार, या सत्य का साक्षात्कार पाना है तो उसे साक्षात्कार के प्रति जिज्ञासा होनी चाहिये। किसी साधक के मन मे जब आत्मासक्षात्कार प्राप्त करने की मनीषा यानि की शुद्ध इच्छा जब जाग्रत होती है तो वह सोचता है, मैं कौन हूं ? मेरा इस धरती पर आने का प्रयोजन क्या है? क्या मेरे जीवन का उद्देश्य खाना - पीना, भौतिक सुविधाएं प्राप्त कर आराम से रहना इतने तक ही सीमित है? ऐसे प्रश्न जब साधक के मन में उमड़ पड़ते हैं , तो वह 'स्व' की खोज में निकलता है। उस 'स्व' की प्राप्ति के लिए वो अनेकों साधन करता है। उस स्व को प्राप्त करना जब उसकी प्राथमिकता बनती है तब

गुरू उसके ऊपर अपनी कृपा की वर्षा करते हैं।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी प्रणित सहजयोग में आप गुरूकृपा रूपी इस प्रसाद को ग्रहण कर सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि, '.. Words of sages comes from heaven... इस उक्ति की साक्षात् अनुभूति हम लेते हैं, जब हम श्री माताजी के अमृतवचन अपने सहस्त्रार चक्र से ग्रहण करते हैं | जिस किसी ने आत्मानंद को पाया उसकी सारी बुरी आदतें, व्यसन, अन्य विनाशकारी आदतें सहजयोग से छूट जाती हैं। परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, कुंडलिनी मां साधक को गुरुत्व प्रदान करती हैं । इस स्थिति के बाद साधक सच्चे और झूठे गुरूओं के बीच का अंतर जान सकता है। इस प्रकार जब कोई साधक हर दिन के नियमित ध्यान से गहनता प्राप्त करता है तब वह स्वयं गुरू बन जाता है और दुसरों को इस गुरूपद पर आरोहित कर सकता है। ज्योति से ज्योति जलाने की इस बेला में हमें आत्मविश्वास से श्री माताजी के इस महान विश्व निर्मल धर्म स्थापित करने के स्वप्न को आगे ले जाना है । श्री माताजी कहते हैं, जब मानव में गुरुत्व शक्ति आती है, धर्म जाग्रत होता है, तब छोटे बच्चे भी संत कबीर जैसी सत्यवाणी निर्भयता से बोल सकते हैं। जिस आदमी में गुरुत्व जाग्रत होता है तब उसका माथा उन्नत होता है, चेहरा तेजस्वी और वृत्ति निरासक्त बन जाती है, वह स्वयंप्रकाशित हो जाता है और क्षमाशील भी ।श्री माताजी के गुरुपद रूपी दिव्य आशीर्वाद को प्राप्त करने हेतु जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

## सफेद कार को रंगबिरंगी कर प्रचार में चलाया जा रहा था, यातायात पुलिस ने किया 5000 का जुर्माना

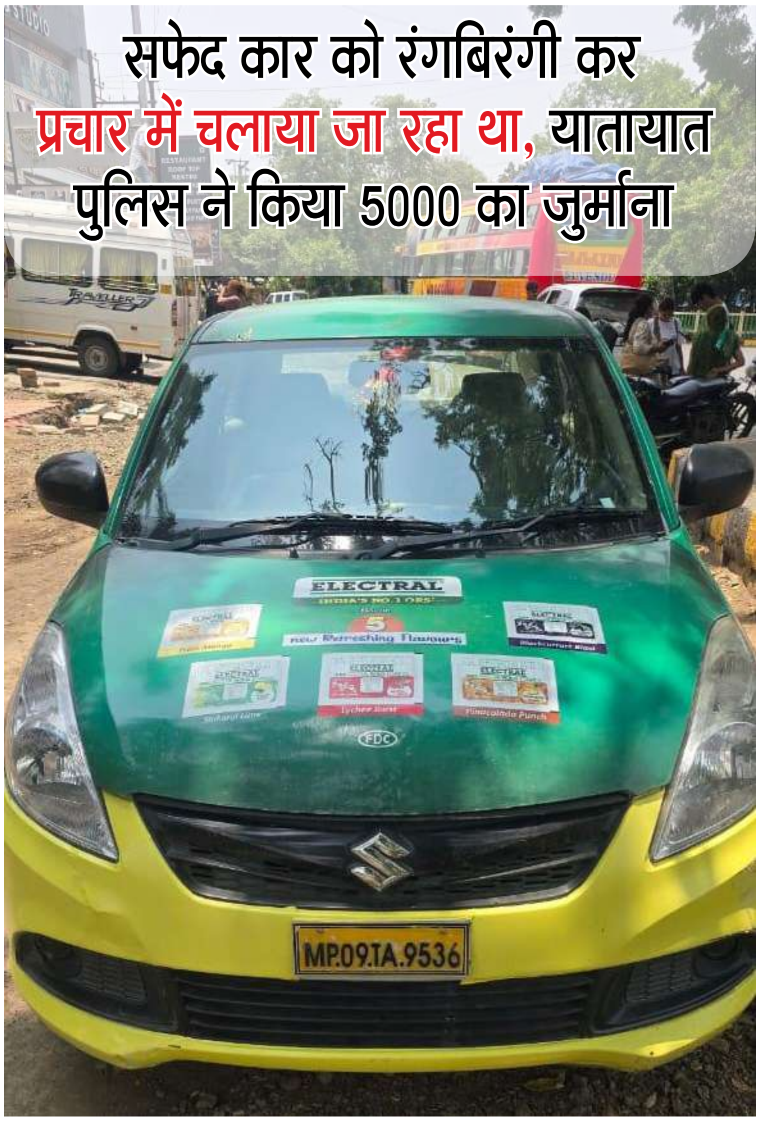


आदित्य शर्मा » रणजीत टाइम्स

### सह. संपादक

इंदौर शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात हेतु नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन श्री अरविंद तिवारी के दिशा निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं, इस दौरान नियमो का उल्लंघन करने पर सख्त कार्यवाही भी की जा रही है।

इसी कड़ी में यातायात पुलिस के सूबेदार सुमित बिलोनिया व टीम राजीव गांधी चौराहा पर यातायात प्रबंधन कर रहे थे। इस दौरान एक रंगीन टैक्सी कार को रोका गया दस्तावेज परीक्षण के उपरांत रजिस्ट्रेशन में निहित वाहन का रंग सफ़ेद पाया गया परंतु वाहन मालिक द्वारा वाहन में परिवर्तन कर वाहन को हरे एवं पीले रंग में परिवर्तित कर एडवरटाइजिंग वाहन टैक्सी में चलाया जा रहा था। इस पर जुर्माना 5000 रुपये मौके पर जमा करवाया और नियमो का पालन करने की हिदायत दी।

# भोपाल के 'मुस्लिम गैंग' पर पुलिस ने लगाई 250 पन्नों की चार्जशीट,0

## बताया- कॉलेज की लड़की के साथ उसकी बहन का भी किया था रेप: हामिद, फरहान, साहिल समेत बाकी हो चुके गिरफ्तार

भोपाल 'लव जिहाद' केस में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत भोपाल की विशेष अदालत में 250 पन्नों का चालान (चार्जशीट) दाखिल कर दिया है। यह चालान गुरुवार (12 जून 2025) को जिला न्यायालय में जज नीलम मिश्रा की कोर्ट में पेश किया गया। इस केस में मुख्य आरोपित फरहान खान और उसका साथी साहिल खान हैं। पुलिस ने 57 गवाहों की सूची के साथ यह चालान तैयार किया है। कोर्ट को दिए गए चालान के साथ पीड़िताओं की मेडिकल रिपोर्ट और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी पेश किए गए हैं।

### क्या है मामला?

यह घटनाक्रम भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र के कोकता इलाके में हुई। यहाँ एक निजी कॉलेज की छात्राओं को दोस्ती का झाँसा देकर फँसाया गया। आरोपितों ने पहले लड़कियों को अपने प्रेम जाल में उलझाया, फिर उनके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं, उन्होंने पीड़िताओं पर धर्म बदलने का दबाव डाला और हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियाँ कीं।

पुलिस की जाँच के अनुसार, फरहान खान ने पहले एक कॉलेज छात्रा (बड़ी बहन) को अपने दोस्त हामिद के घर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद साहिल खान ने इस घटना का वीडियो बनाकर लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू किया। वह उससे बार-बार मिलने के लिए दबाव डालता था। चूँकि लड़की किराए के मकान में रहती थी, इसलिए उसे डर था कि यह बात मकान मालिक या परिवार तक पहुँच जाएगी। इस डर का फायदा उठाकर आरोपित लगातार उसका शोषण करते रहे।

### छोटी बहन भी नहीं बची

एक दिन जब बड़ी बहन अपने कमरे पर नहीं थी, तब उसकी छोटी बहन, जो स्कूल में पढ़ती है, वहाँ अकेली थी। आरोपितों ने मौके का फायदा उठाया और नाबालिग लड़की के साथ भी बलात्कार किया।

### धर्मपरिवर्तन का डाला दबाव

साहिल ने बड़ी बहन को शादी का लालच देकर उस पर धर्म बदलने का दबाव बनाया। उससे जबरदस्ती मांस खिलाया गया

और बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया। इसके अलावा, पीड़िता के साथ मारपीट भी की गई। उसे लगातार धमकियाँ दी जाती थीं ताकि वह इस बारे में किसी से बात न करे।

### और लड़कियाँ भी थीं निशाने पर

पुलिस ने फरहान के फोन की जाँच की तो उसमें आठ अन्य लड़कियों के वीडियो मिले। जब पुलिस ने इन लड़कियों से संपर्क किया, तो पता चला कि ज्यादातर पीड़िताएँ उसी टीआईटी कॉलेज की छात्राएँ थीं। जाँच में खुलासा हुआ कि फरहान और साहिल एक बड़े 'लव जिहाद' गिरोह का हिस्सा थे, जिसमें नबील, अली, साद और अबरार जैसे अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस की चार्जशीट में यह भी खुलासा हुआ है कि फरहान और साहिल दोनों बारी-बारी से आए दिन कॉलेज छात्राओं से दुष्कर्म करते थे। इस गिरोह के लोग कॉलेज की छात्राओं को निशाना बनाते और उनका शोषण करते थे। पुलिस ने फरहान और साहिल को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया। चालान के साथ पीड़िताओं की मेडिकल रिपोर्ट और अन्य जरूरी दस्तावेज भी कोर्ट में जमा किए गए। पुलिस ने मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत भी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की, क्योंकि इस मामले में धर्मांतरण का दबाव डालने का आरोप भी है। इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत भी केस चल रहा है। बता दें कि पॉक्सो एक्ट (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज एक्ट) बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया कानून है। इस मामले में एक नाबालिग लड़की भी पीड़िता है, इसलिए इस कानून के तहत कार्रवाई हो रही है।

# अधिकारी-कर्मचारी नेतागिरी का रौब झाड़ने का दूसरा तरीका बना अवैध हूटर....

## निजी गाड़ियों पर बिना अनुमति टंगे अवैध हूटर पर कार्यवाही की दरकार....

### झांकीबाजी के लिए हूटर का सहारा.... बेखोफ सड़कों पर दौड़ते अवैध हूटर वाले वाहन...

### आदेश तो अच्छा था....

### लेकिन....अफसोस क्या आदेश के बाद हट जाएंगे सारे अवैध हूटर?

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीआईपी कल्वर को खत्म करने के उद्देश्य से वाहनों पर लगने वाली बत्ती निकाल कर यह साबित करने की कोशिश की कि इस देश में वीआईपी कल्चर खत्म होना चाहिए लेकिन उम्के बावजूद कहीं ना कहीं अवसरवादी लोग उसका तोड़ निकाल लेते हैं ताजा मामला कुछ इस प्रकार है कि अपना रसूख झाड़ने के लिए अधिकारी, कर्मचारी और यहां तक की नेतागिरी करने वाले आसानी से अपने वाहनों पर रसूख दिखाने के लिए हुटर अवैध रूप से लगाने से परहेज नहीं रहे है और यह सब चल पुलिस की नाक के नीचे, लेकिन एमपी पुलिस मुख्यालय ने एक आदेश जारी कर उन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए है. जो अपने निजी वाहन में हूटर, फ्लैश लाइट, वीआईपी स्टीकर का इस्तेमाल कर रहे है अब देखना ये होगा कि क्या कार्यवाही में उत्तर पाएंगे हूटर....

दो पहिया चार पहियों पर चालानी बाकी लेकिन अवैध हूटर पर हमेशा से छूट क्यों...?

लगातार शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात विभाग, पुलिस विभाग द्वारा चालानी कार्यवाही करते दिखाई दे रखा है जिसमे हेलमेट, बीमा और तमाम नियमों का हवाला देकर चालानी की जाती है लेकिन अवैध रूप से लगे हुटर पर कार्यवाही नहीं होने से जहा जनता नाराज होती है यह इस प्रकार अवैध रूप में चार पहिया वाहनों पर लगे हूटर पर कार्यवाही नही की जाना कही न कही दो पहिये वाहनों चालको के साथ सौतेला व्यवहार कहलाता है जबकि अवैध हूटर पर करवाई नहीं हो पाती है इसके दो कारण है दिन रात ट्रैफिक अवस्था संभालने वाले आरक्षक मेहनत करते है कभी पकड़ा भी लिया तो फोन लगा कर गाडी छुटवा लेते है तोकैसे कोई मेहनत कर आदेश पर अमल कर पाएगा ये सोचने वाली बात है। सरकार द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन करते हुए आपातकालीन सेवाओं को छोडकर सभी प्रकार के वाहनों के लिए बनी कल्चर समाप्त कर दिया गया है। सेन्ट्रल मोटर रूल व्हीकल 199 के तहत हूटर का प्रयोग सिर्फ एम्बूलेंस, फायर बिग्रेड,पुलिस वाहन कर सकते है वर्तमान में राजनेताओं और कई अफसर मोटरसाइकिल एक्ट का उल्लंघन करते हुवे अपने वाहनों में हुटर का इस्तेमाल कर रहे है।

### नकली नेताओं और कर्मचारियों पर शुरू करो कार्यवाही -छरें कटोरी खुद ब खुद हटा लेंगे...?

# सीधा प्रसारण एल ई डी स्क्रीन पर दिखाया, अध्यक्ष जनप्रतिनिधि और एन जी ओ हुए शामिल

दैनिक रणजीत टाइम्स

**दीपक तोमर**

मंडलेश्वर।अमृत हरित महाभियान कार्यशाला का सीधा प्रसारण शुक्रवार 8 :30 बजे से दिखाया गया।भोपाल के रविन्द्र भवन में आयोजित इस कार्यशाला में नगर परिषद सी एम ओ संजय रावल शामिल हुए।शासन के निर्देश पर नगर परिषद कार्यालय में बड़ी एल ई डी स्क्रीन पर भोपाल में चल रही कार्यशाला का सीधा प्रसारण दिखाया गया।परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे पार्षद कमलेश भार्गव स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर यशवंत सिंह तवर हरित भारत और नारी सशक्तिकरण अभियान की नोडल अधिकारी उप यंत्री आरती मंडलोई नर्मदा सखी सहेली स्व सहायता समूह की मालती बडोले विद्या डोंगरे महालक्ष्मी समूह की जया वर्मा मां नर्मदा समूह की सुधा केवट भावना पाटीदार सहित पार्षदगण कर्मचारी मीडिया कर्मियों ने सीधा प्रसारण देखा।

## हरित भारत अभियान के तहत किया जा रहा वृक्षारोपण

सरकार के अमृत हरित अभियान के तहत नगर परिषद द्वारा पौधारोपण विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू किया जा चुका है।नारी सशक्तिकरण और हरित भारत कार्यक्रम के तहत 05 जून से वूमन फॉर ट्री योजना में पौधारोपण शुरू किया गया है।वूमन फॉर ट्री की नोडल अधिकारी सुश्री आरती मंडलोई ने बताया कि पौधारोपण के लिए हमने कुछ स्थान चिन्हित किए है जहां पौधारोपण किया जा रहा है अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने बताया कि सीधा प्रसारण देखकर हरित भारत अभियान को और सफल बनाने की दिशा में कार्य जारी रहेगा।वृक्षारोपण के साथ साथ साफ सफाई के लिए भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

# इंदौर में राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी का आगमन

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर। इंटरनेशनल फैडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स ब्रुसेल्स बेल्जियम से सम्बद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी इंदौर रणजीत टाइम्स के प्रदेश कार्यालय में पधारे। इस अवसर पर इंदौर संभागीय संयोजक उत्सव सोनी के प्रस्ताव पर रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे को NUJ इंडिया की राज्य इकाई जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश के इंदौर जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई।

इसके बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजेश धाकड़ के सवालो का जवाब देते महासचिव प्रदीप तिवारी ने बताया कि NUJ इंडिया की इंदौर में राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक फिर उसके बाद जल्द भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होगा, जिसमें NUJ इंडिया के 28 राज्यों से वरिष्ठ पत्रकार, संपादक और कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। अधिवेशन के एजेंडे में मीडिया कॉउंसिल, प्रेस प्रोटेक्शन एक्ट, नेशनल रजिस्टर के बारे में बताते हुए प्रदीप तिवारी ने कहा कि जब सरकार के काम करने वाले लोग हमारे साथ रहेंगे, और जब संसद में ये पास हो जाएगा तो पत्रकारों के लिए ये बड़ी उपलब्धि होगी और ये उनके जीवन की सबसे बड़ी पूर्ति होगी।

**उन्होंने बताया कि**

NUJ इंडिया लगातार केंद्र सरकार और राज्य सरकार से मांग कर रहा है कि मीडिया कॉउंसिल बने, प्रेस प्रोटेक्शन एक्ट मिल जाए और नेशनल रजिस्टर बन जाए, जिससे पत्रकारों की पहचान और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रदीप तिवारी ने अपना परिचय देते हुए बताया कि वे वर्तमान में NUJ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव हैं और पूर्व में मध्यप्रदेश सरकार की सर्व कल्याण समिति में मेंबर रह चुके हैं। वे दैनिक भास्कर, राज एक्सप्रेस, सहारा समय जैसे कई बड़े अखबारों में संपादक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

**मीटिंग में उपस्थित सदस्य**

इंदौर जम्प जिला संयोजक महेंद्र सोनगरा, इंदौर महिला इकाई जिला अध्यक्ष अपूर्वा मेनन, वरिष्ठ पत्रकार सुनील खंडागले सहित संभागीय और जिला इकाई के सदस्य उपस्थित थे।

# सरभंग मुनि आश्रम में भगवान की लीलाओं के श्रवण और भव्य भंडारे के साथ हुआ कथा का समापन

महापौर के समर्थन के साथ सरभंगा टाइगर रिजर्व मुहिम को मिला जन-जन का बल

इस अविस्मरणीय पल में साथ देने वाले जन - जन का आजीवन ऋणी रहूंगा - आशुतोष द्विवेदी

चित्रकूट की पवित्र सरभंगा तपोभूमि में विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू हुई श्रीमद् भागवत कथा 12 जून 2025 को भव्य भंडारे के साथ सम्पन्न हुई। आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित इस संगीतमय कथा ने भक्ति, पर्यावरण प्रेम और सरभंगा को टाइगर रिजर्व बनाने की मुहिम को एक अनूठा मंच प्रदान किया। भगवान श्रीराम और सरभंग मुनि की इस तपोभूमि पर हजारों भक्तों ने भक्ति के रस में गोता लगाया, वहीं सतना नगर निगम के महापौर योगेश ताम्रकार सहित जन-समुदाय ने इस पर्यावरणीय आंदोलन को जोरदार समर्थन दिया।

भक्ति और प्रकृति का रसमय संगम- कथा वाचक आचार्य डॉ. विपिन कृष्ण महाराज ने सात दिनों तक भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम की लीलाओं से सराबोर किया। ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद, गजेंद्र मोक्ष, अजमिल प्रसंग, राम जन्म, कृष्ण जन्मोत्सव, माखन चोरी, कालिया नाग मर्दन और गोवर्धन पूजा की कथाओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्य जी ने गोवर्धन पूजा को हरियाली का प्रतीक बताते हुए कहा, "प्रकृति की रक्षा ही सच्ची भक्ति है। सरभंग मुनि की तपोभूमि पर यह कथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है।" भक्ति भजनों और मंत्रोच्चार से गूंजता कथा स्थल भक्तों के लिए आध्यात्मिक और पर्यावरणीय जागरूकता का अनूठा संगम बन गया।

टाइगर रिजर्व की मुहिम को जन-आंदोलन का रूप- आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान ने इस आयोजन को न केवल आध्यात्मिक उत्सव बनाया, बल्कि सरभंगा को टाइगर रिजर्व घोषित करने की मांग को जन-आंदोलन का रूप दिया।आशुतोष द्विवेदी ने उत्साह के साथ कहा, "यह पवित्र भूमि भगवान राम और सरभंग मुनि की तपस्या से पवित्र है। इसे टाइगर रिजर्व बनाकर हम प्रकृति की रक्षा करेंगे और विश्व पटल पर सरभंगा को नई पहचान देंगे।" स्थानीय लोग और पर्यावरण प्रेमी इस मांग के लिए एकजुट होकर खड़े हैं। उनका मानना है कि सरभंगा का जंगल बाघों का आश्रय बनने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन और स्थानीय आजीविका का आधार बनेगा।

भव्य भंडारा और महापौर का जोरदार समर्थन- कथा के समापन पर 12 जून 2025 को आयोजित भव्य भंडारे में सरभंगा क्षेत्र के गांवों से आए हजारों भक्तों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सतना नगर निगम के महापौर योगेश ताम्रकार ने प्रसाद ग्रहण कर आचार्य डॉ. विपिन कृष्ण महाराज का आशीर्वाद लिया। आशुतोष द्विवेदी ने महापौर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।महापौर ताम्रकार ने सरभंगा टाइगर रिजर्व मुहिम को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा, "यह अभ्यारण्य प्रकृति और बाघों के संरक्षण के साथ चित्रकूट को विश्व पटल पर नया कीर्तिमान देगा। मैं सरकार और मुख्यमंत्री से इस मुहिम के लिए निरंतर चर्चा में हूं। जल्द ही सरभंगा टाइगर रिजर्व हकीकत बनेगा।" उन्होंने इस आयोजन को क्षेत्र के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय उत्थान के लिए मील का पत्थर बताया।

एक नई क्रांति की शुरुआत- स्थानीय समुदाय और पर्यावरण प्रेमियों ने इस आयोजन को भक्ति और प्रकृति के मिलन का प्रतीक माना। सरभंगा की हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य के बीच भगवान की लीलाओं का रसपान भक्तों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गया। यह कथा न केवल आत्मिक शुद्धि का माध्यम बनी, बल्कि सरभंगा को टाइगर रिजर्व बनाने की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने में सफल रही।आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान की यह पहल सरभंगा की पवित्रता को संरक्षित करने और चित्रकूट को पर्यावरणीय व आध्यात्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का सशक्त संकल्प है। यह आयोजन न केवल एक कथा का समापन था, बल्कि एक बड़े मिशन की शुरुआत है, जो प्रकृति, भक्ति और समृद्धि का त्रिवेणी संगम बनकर उभरा है।

# एयर इंडिया हादसा- किसने क्या कहा और क्या सीखा?

### रणजीत टाइम्स संपादकीय टीम

अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171 का दुर्घटनाग्रस्त होना भारत के लिए केवल एक तकनीकी हादसा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय शोक की घड़ी है। इस हादसे में 241 निर्दोष जिंदगियाँ खत्म हो गईं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जैसे वरिष्ठ नेता से लेकर सामान्य नागरिक, छात्र और बच्चे तक शामिल हैं। लेकिन जब त्रासदी आती है, तब न केवल आँसू बहाए जाते हैं, बल्कि प्रतिक्रियाएँ भी देश के चरित्र को परिभाषित करती हैं।

### नेताओं की प्रतिक्रिया: संवेदना और सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे को "दिल दहला देने वाला" करार दिया और घटनास्थल पर पहुँच कर राहत कार्यों की समीक्षा की। उनकी संवेदना से प्रभावित परिवारों को थोड़ी सांत्वना ज़रूर मिली, लेकिन एक बड़ा सवाल भी उठता है — क्या हमारी तैयारियाँ ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? गृह मंत्री अमित शाह का बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि "इतना ईंधन था कि किसी को बचाना संभव नहीं था", यथार्थपरक जरूर था लेकिन कुछ लोगों को यह संवेदनहीन भी लगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार पर निशाना साधते हुए इसे "act of God" बताने की आलोचना की और सुरक्षा में लापरवाही के संकेत दिए।

### एयर इंडिया और प्रशासन: अब सवालों के घेरे में

एयर इंडिया के CEO के अनुसार, दुर्घटना की जांच के लिए ब्लैक बॉक्स बरामद हो चुका है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त जाँच की जा रही है। सवाल ये है कि क्या यात्रियों की सुरक्षा के मानक सिर्फ कागज़ों में हैं?

### विश्व स्तर पर भी संवेदना

ब्रिटेन, कनाडा, चीन और रूस सहित कई देशों के नेताओं ने भारत को संवेदना संदेश भेजे हैं। यह घटना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की उड्डयन व्यवस्था को लेकर एक बार फिर कठघरे में खड़ा करती है।

### अब आगे क्या?

यह संपादकीय केवल नेताओं की प्रतिक्रियाओं का संकलन नहीं, बल्कि एक गहरी सोच की मांग है। हमें यह देखना होगा कि क्या हमारी व्यवस्थाएँ सिर्फ हादसे के बाद बोलती हैं या पहले भी कुछ करती हैं?

क्या विमानों का रूटीन निरीक्षण सिर्फ नाम मात्र है?

क्या टेक-ऑफ के पहले की सुरक्षा प्रक्रिया सिर्फ औपचारिकता है?

और क्या नेताओं की संवेदना के साथ जवाबदेही भी जुड़ी है?

संवेदनाओं के साथ सजगता भी ज़रूरी है

सिर्फ मोमबत्तियाँ जलाकर और ट्वीट कर देने से हादसे नहीं रुकते। अब समय है कि सरकार, प्रशासन और एयरलाइंस – तीनों मिलकर ईमानदारी से जवाब दें कि आगे ऐसा दोबारा न हो।

**वरना अगली बार फिर कोई माँ अपने बेटे का इंतज़ार करती रह जाएगी... और कोई उड़ान, वापस ज़मीन पर कभी नहीं आएगी।**

# वन स्टॉप सेंटर की त्वरित कार्रवाई से मां को मिला बेटा

दैनिक रणजीत टाइम्स

### अनिल चौधरी

पीड़िता शैलजा (परिवर्तित नाम) जनसुनवाई में इस शिकायत के साथ उपस्थित हुई कि उसके पति ने उससे झगड़ा किया तथा बच्चों को अपने पास रख लिया और उसे घर से निकाल दिया। शिकायतकर्ता की मांग थी कि बच्चा उसे वापस दिया जाए शिकायतकर्ता का कहना था कि उसने अनेक मंचों के भी चक्कर लगाए किंतु कोई सार्थक समाधान नहीं मिला। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा सर द्वारा आवेदिका को सुना और समझाया गया एवं उक्त शिकायत को निराकरण हेतु वन स्टॉप सेंटर, इंदौर भेजा गया।

वन स्टॉप सेंटर पर पीड़िता शैलजा का परामर्श किया गया उसके द्वारा बताया गया की परिवार में पिता शराब पीते थे तथा उनका बचपन मां और मामा जनों के सहयोग से बीता। मामा लोगों के सहयोग से ही उसका विवाह रोशन (परिवर्तित नाम) से हुआ। रोशन को नशे की बुरी लत थी। कोई भी ऐसा नशा नहीं था जिसका उपयोग उसके द्वारा नहीं किया गया हो। शादी के कुछ समय बात से ही नशे के कारण पति-पत्नी में अनबन हो जाती थी। वह किसी बैंक में फाइनेंस का काम देखता था, उसे उसकी आदत के कारण वहां से निकाल दिया गया। इसके बाद वह रेलवे में कोई अस्थाई नौकरी करने लगा किंतु वहां भी वह नहीं टिक पाया, नशे के कारण वह उधारी के चक्कर में फस गया। उधार लेने वालों से वह अपनी पत्नी की बात भी कराता था ताकि उन्हें यकीन हो जाए कि उन्हें उधार बहुत जरूरी है। वह अपने को विभिन्न प्रकार से प्रताड़ित कर अपनी पत्नी पर अनावश्यक दबाव बनाने का कार्य करता था झगड़ा बढ़ते गए बीच में कई बार मां और मामा ने समझौता भी कराया किंतु कुछ समय बाद फिर पुरानी जैसी स्थिति हो जाया करती थी। इसी झगड़े में एक दिन नाराज होकर रोशन ने बच्चों को अपने पास रखकर शैलजा को घर से निकाल दिया। शैलजा ने अपने बच्चों को प्राप्त करने की बहुत सारे प्रयास किया किंतु वह असफल रही।

वन स्टॉप सेंटर में सामाजिक मनोवैज्ञानिक श्रीमती नीलम सिन्हा जी द्वारा परामर्श के दौरान शैलजा की सारी बात सुनने के बाद उसके पति रोशन को भी परामर्श हेतु बुलाया गया। परामर्श में रोशन को उसके द्वारा की जा रही घटनाओं के चर्चा करते हुए उसे अनुभव कराया गया उसका यह कृत्य सही नहीं है वह अपनी पत्नी को इस प्रकार से परेशान नहीं कर सकता, इसके लिए कानूनी प्रावधान भी हैं कि यदि वह उसे परेशान करता है तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई हो सकती है। रोशन को बात समझ में आई, उसने बच्चों को तत्काल पत्नी के हवाले कर दिया किंतु पत्नी शैलजा की मानसिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह पति के साथ जाए उसने कुछ दिन बाद मन के स्थिर हो जाने पर पति के साथ जाने के बारे में निर्णय ले पाएगी, ऐसा बताया। पति रोशन को एहसास हुआ कि वह अपनी पत्नी के साथ बहुत ज्यादा जादती कर रहा था और अब उसके साथ कोई भी दुर्व्यवहार नहीं करेगा। वन स्टॉप सेंटर में परामर्श के पश्चात बच्चा वापस मिलने से शैलजा बहुत खुश थी, उसने वन स्टॉप सेंटर के पूरे अमले को उसे सहयोग देने तथा त्वरित कार्रवाई करने पर बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

# ज़िंदगी कितनी अनिश्चित होती है.

आप छुट्टियों पर सुकून ढूँढ़ने जाते हैं,
और आतंकवादियों की गोली का शिकार हो जाते हैं।
आप किसी टीम की जीत का जश्न मनाने जाते हैं,
और भीड़ की भगदड़ में कुचले जाते हैं।
आप रोज़ की तरह ऑफिस जा रहे होते हैं,
और एक हादसा आपकी साँसें छीन लेता है।

आप किसी काम या छुट्टी के लिए फ्लाइट पकड़ते हैं,
और वह आसमान में ही टूट जाती है।
आप अपने हॉस्टल में पढ़ाई कर रहे होते हैं, सपने बुन रहे होते हैं
और अचानक एक प्लेन आप पर गिर पड़ता है।

मौत का कोई पता नहीं...
ना वह बताकर आती है, ना किसी को छूट देती है।
कब, कहाँ, और कैसे — कोई नहीं जानता।

इस त्रासदी को देखिए —
लोग जो प्लेन में थे न वो दोषी थे,
न वो डॉक्टर जो हॉस्टल में थे...
फिर भी, सब चले गए...
एक पल में सब कुछ खत्म।

बस एक पल का फासला होता है,
और ज़िंदगी का वो नाजुक धागा हमेशा के लिए टूट जाता है।

ऐसे हादसे हमें झकझोरते हैं... हमें यह एहसास दिलाते हैं कि हम कितने असहाय हैं इस जीवन के सामने। हर दिन, हर पल एक वरदान है, एक अवसर है... क्योंकि शायद अगला पल आए या न आए

इसलिए जी भर के जिएं अपने अपनों से दिल खोलकर मिलें
माफ करें, गले लगाएं, और दूसरों के लिए थोड़ा अच्छा कर जाएं।

**क्योंकि क्या पता, कल हो न हो...**

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़्बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

# आई.टी.आई. प्रशिक्षुओं का नवाचार परियोजनाएं

**रणजीत टाइम्स**

गोटेगांव शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आई.टी.आई में प्रशिक्षणार्थियों एवं संस्थान के अधिकारियों द्वारा जिला कलेक्टर शीतला पटले को संस्थान में संचालित ट्रेनिंग कम प्रोडक्शन सेंटर के अंतर्गत बनाए गए विभिन्न नवाचार प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया गया प्रशिक्षणार्थियों ने कलेक्टर को एलईडी बल्ब निर्माण, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट सिस्टम जैसे प्रशिक्षण आधारित उत्पादन गतिविधियों के साथ-साथ स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, स्मार्ट डस्टबिन, आईओटी आधारित होम ऑटोमेशन सिस्टम, स्मार्ट होम गार्डनिंग सिस्टम आदि परियोजनाएं प्रस्तुत कीं गई कलेक्टर प्रशिक्षणार्थियों के प्रयासों की सराहना की एवं नवाचार के प्रति उनकी जागरूकता को प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने प्रशिक्षण के साथ-साथ उत्पादन के समन्वय को युवाओं के कौशल विकास हेतु अत्यंत उपयोगी बताया।इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य नारायण कोष्टा एवं अनुदेशक आशीष सोनी द्वारा आई.टी.आई. गोटेगांव में अपनाई जा रही श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियों जैसे उद्योगों में औद्योगिक भ्रमण, ऑन द जॉब ट्रेनिंग (OJT) आदि की जानकारी दी गई, जिससे प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्राप्त हो रहा है।संस्थान द्वारा चलाए जा रहे नवाचार व उत्पादन गतिविधियों से न केवल प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो रहा है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अग्रसर हो रहे हैं।

# इंटिग्रेटेड हेल्थ कैंप का आयोजना

**आदित्य शर्मा » रणजीत टाइम्स**
**सह. संपादक**

मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के आदेश अनुसार जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी के नेतृत्व में आदित्य टी आई (FSW) के द्वारा इंटिग्रेटेड हेल्थ कैंप का आयोजना भील मोहल्ला , सिहासा में सुबह 10 बजे से 04 बजे तक किया गया कैंप में सिहासा के सरपंच श्री नारायण चौहान , दिशा क्लस्टर से डी आई एस श्री आलोकरंजन मौर्य जी आदित्य टी आई परियोजना प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह तोमर टी बी हेल्थ विजिटर अनिल अहिरवार जिला अस्पताल की काउंसलर भारती गौर ,हर्षा देशपांडे ओर एल टी रमा राय ए आर टी से ऋषि राज एवं आदित्य टी आई के सभी स्टाफ और पियर उपस्थित रहे उक्त कैंप में कुल 124 एच आई वी , सिफलिश टी बी स्क्रीनिंग हेपेटाइटिस बी सी टेस्ट किये गये जिसमें 5 सिफलिश रिएक्टिव आए ,आदित्य टी आई के डॉ अमरलाल जी द्वारा सभी जन व बच्चों का स्वास्थ परीक्षण किया गया व दवाई दी गई कैंप के दोरान अन्तरा के सोजन्य से कैंप में आई महिलाओ को सेनेटरी पेड़ दिए गए एवं डाबर के सोजन्य से कैंप में आये व्यक्तियों को जूस वितरित किया गया एवं काउंसलिंग के दोरान 22 HRG की पहचान की गई जिनका ORW द्वारा रजिस्ट्रेशन किया।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार
17 जून 2025 से 23 जून 2025 तक

अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट टेक-ऑफ के ठीक 2 मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

दो मिनट... इतना ही समय था उस सपने के बीच, जो यात्रियों ने अपनी आंखों में संजो रखा था, और उस हकीकत के बीच जो राख बनकर ज़मीन पर गिर गई।

# अहमदाबाद फ्लाइट क्रैश

## सिर्फ एक हादसा नहीं, टूटते सपनों का मूक चीत्कार

**जब विमान उड़ा, उस वक़्त शायद लंदन में रात थी — वहां के परिवार अभी अपने बिस्तरों पर थे, अनजान इस बात से कि उनका अपनों से यह अंतिम संवाद होगा। यात्रियों ने शायद अभी सीट बेल्ट ही बांधी थी, कुछ सेल्फी ले रहे होंगे, कोई चाय की चुस्की के इंतज़ार में होगा, कोई अपने बच्चों को थामे मुस्कुरा रहा होगा।**

### दो नवजात बच्चे...

मां भारत आई होगी प्रसव के लिए, और अब पति के पास लौट रही होगी। वे बच्चे, जिन्होंने अभी ठीक से आंखें भी नहीं खोली थीं, जिन्हें जीवन की परिभाषा तक नहीं मालूम थी — वे भी इस अग्नि में समा गए। क्या उनके पिता उस पार इंतज़ार कर रहे होंगे? क्या उन्होंने ये कल्पना भी की होगी कि वे अपने बच्चों को इस रूप में कभी नहीं देख पाएंगे?

### एक लाख लीटर ईंधन... और एक सजीव बम

जब एक छोटा पटाखा भी हाथ जला देता है, तो एक लाख लीटर फ्यूल से भरे विमान की तबाही की कल्पना ही दिल दहला देती है। किसी को समझ नहीं आया होगा कि अगला क्षण उनका अंतिम है।

### और वो ज़मीन... वो इलाका... वो हॉस्टल

जहां यह विमान गिरा — वह डॉक्टरों का हॉस्टल था। युवा डॉक्टर, जो वर्षों की तपस्या के बाद अब सेवा के लिए तत्पर थे। वे आराम कर रहे होंगे, कोई ड्यूटी के लिए निकल रहा होगा — और फिर अचानक, एक आग का गोला उन पर आ गिरा। क्या कभी उन्होंने सोचा था कि अस्पताल में नहीं, बल्कि हॉस्टल में ही उनकी मृत्यु आएगी?

### पटेल परिवार

10 से 15 लोग एक साथ पूरा परिवार, एक ही विमान में। शायद किसी शादी से लौट रहे थे, या लंदन में नए जीवन के लिए जा रहे थे। बच्चों की चोटी बनाई गई होगी, साड़ी की पल्लू संभाली गई होगी, नमकीन के डिब्बे पैक किए गए होंगे — और अब वे सब... एक दर्दनाक याद बन चुके हैं।

### गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जी

जिन्होंने वर्षों तक जनसेवा की, गुजरात का नाम रोशन किया — वे भी उसी विमान में थे। क्या वह एक राजकीय दौरा था? या एक सामाजिक मिशन? कोई जान न सका, क्योंकि नियति ने उनके शब्दों को अधूरा छोड़ दिया।

अब सवाल यह है — हम कहां सुरक्षित हैं? क्या मृत्यु अब केवल युद्ध में या बीमारियों में नहीं, बल्कि अपने घर में भी दस्तक दे सकती है? जो लोग कह रहे थे कि "हम बाहर नहीं जाएंगे, सुरक्षित रहेंगे", क्या अब उन्हें भी यह विश्वास रह गया है? क्या यह सब किसी सामूहिक कर्मफल का परिणाम है? या केवल क्रूर संयोग? हम न दोषी ढूंढ़ पा रहे हैं, न जवाब। केवल आंसू हैं, जो एक के बाद एक टपकते जा रहे हैं।

### श्रद्धांजलि... और एक प्रार्थना

### हम उन सभी निर्दोष आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

जो विमान में थे, जो ज़मीन पर थे, जो केवल अपनी ड्यूटी या विश्राम में लगे थे। हे प्रभु!

जो घायल हैं, उन्हें शीघ्र आरोग्य दें।

जो दिवंगत हो चुके हैं, उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। और हमें यह शक्ति दें कि हम जीवन की इस नश्वरता को समझकर, हर क्षण को प्रेम, कर्तव्य और सच्चाई से भर सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा )